

**काष्ठभारिक** पुं. (तत्.) काष्ठ (लकड़ी) का भार ढोने वाला, लकड़हारा।

**काष्ठा** स्त्री. (तत्.) 1. जगत का कोई भाग या प्रदेश अथवा दिशा 2. उन्नति, ऊँचाई 3. समय का एक अंश या माप जो 18 पल के बराबर होता है।

**काष्ठागार** पुं. (तत्.) लकड़ी का बना महल या घर।

**काष्ठिक** वि. (तत्.) जो लकड़ी से संबंधित या लकड़ी से निर्मित हो पुं. काष्ठवाहक (लकड़हारा)।

**काष्ठिका** स्त्री. (तत्.) लकड़ी का टुकड़ा। लकड़ी से संबंधित।

**काष्ठीय** वि. (तत्.) लकड़ी से संबंधित, लकड़ी का।

**काष्ठौषधि** स्त्री. (तत्.) 1. ऐसी लकड़ी जो औषधि के रूप में प्रयुक्त होती हो 2. जड़ी-बूटी।

**कास** पुं. (तत्.) 1. खाँसी या कास का रोग 2. सहिजन का पेड़ 3. एक प्रकार की वनस्पति जो प्रायः नदियों या तालाबों के किनारे शरद् ऋतु में उगती है।

**कासघ्न** पुं. (तत्.) कास (खाँसी) रोग को नष्ट करने वाली औषधि वि. खाँसी दूर करने वाली।

**कासनी** स्त्री. (फा.) एक वनस्पति जिसमें नीले आसमानी रंग के फूल आते हैं और जिसके बीज औषधि के रूप में काम आते हैं वि. आसमानी नीला रंग।

**कासा** पुं. (फा.) 1. पियाला (प्याला), चषक 2. खाना, आहार 3. काँसे का बर्तन, थाली 4. भिक्षापात्र।

**कासार** पुं. (तत्.) 1. सरोवर, तालाब या झील 2. एक वर्णिक छंद का भेद।

**कासिद** पुं. (फा.) पत्र ले जाने वाला, संदेशवाहक वि. जिसका प्रचलन न हो, जाली या खोटा।

**कासी** स्त्री. (तद्.) काशी शब्द के लिए प्रयुक्त।

**कासीस** पुं. (देश.) लोहे और गंधक का यौगिक जिसका रंग हरा होता है।

**कासु** सर्व./वि. (देश.) किससे, किस को।

**कासूँ/कासौं** पुं. (देश.) दे. कासु।

**कास्टर ऑयल** पुं. (अं.) एरंड का तेल (औषधि के रूप में प्रयुक्त होने वाला अरंडी का तेल अत्यंत लाभप्रद माना गया है)।

**कास्टिक सोडा** पुं. (अं.) कपड़े धोने वाला सोडा।

**कास्मिक किरणें** स्त्री. (अं+तत्.) भौति. सौरमंडल में संचरण करने वाली सभी दिशाओं से पृथ्वी पर उतरने वाली किरणें।

**काह** क्रि.वि. (तद्.) क्या, कौन सी चीज।

**काहल** पुं. (तत्.) 1. बिलाड़ 2. एक पक्षी-मुर्गा 3. ध्वनि जो स्पष्ट न हो 4. कर्कश/कठोर ध्वनि करने वाला, ढोल।

**काहिं** क्रि.वि. (देश.) कैसे।

**काहि** सर्व. (देश.) किसको या किसे क्रि.वि. किसके लिए।

**काहिल** वि. (फा.) आलसी, सुस्त।

**काहीं** पुं. (देश.) दे. काहिं।

**काही** वि. (फा.) घास जैसा हरा-काला रंग।

**काहु** सर्व. (देश.) किसको या किसी को, कोई।

**काहू** सर्व. (देश.) किसी के या कोई।

**काहें** सर्व. (देश.) किससे क्रि.वि. किसलिए, क्यों।

**काहे** क्रि.वि. (देश.) किसलिए, किस प्रकार।

**किंकर** पुं. (तत्.) सेवक, दास या नौकर।

**किंकर्तव्यविमूढ़** वि. (तत्.) क्या करना है, क्या नहीं करना है यह निर्णय करने में जो असमर्थ हो।

**किंकिणी** स्त्री. (तत्.) 1. बजने वाली घंटियों से युक्त कमर का आभूषण 2. ध्वनि करने वाला गहना।

**किंकिर** पुं. (तत्.) 1. अश्व 2. कोयल 3. कामदेव 4. भौंरा।